Indian Journal of Modern Research and Reviews

This Journal is a member of the *'Committee on Publication Ethics'*

Online ISSN:2584-184X

Research Paper

समाज व माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों पर तकनीकी के उपयोग से होने वाले लाभ का अध्ययन

प्रोफेसर डॉ संतोष कुमारी *

समाजशास्त्र विभाग, जैन कन्या पीजी कॉलेज मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश ,भारत

Corresponding Author: * प्रोफेसर डॉ संतोष कुमारी

DOI: https://doi.org/10.5281/zenodo.18088037

सारांश

आज का युग तकनीकी युग है। जिसमें प्रत्येक राष्ट्र अपने आप को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए कतर में लगा हुआ है। और तकनीकी ने भी मानव जीवन के प्रत्येक पहलू को प्रभावित किया है। तकनीकी से मानव जीवन सहज व जटिल दोनों रूप से प्रभावित हुआ है तकनीकी ने मानव जीवन के प्रत्येक पहलू को प्रभावित किया है व्यावसायिक रूप, शैक्षिक, वह दैनिक दिनचर्या के कार्यों से हो, तकनीकी ने संपूर्ण विश्व को अपनी चपेट में ले लिया है। वह इसका प्रभाव मानव जीवन पर पूर्णतया देखा जा सकता है जहां तकनीकी के विभिन्न प्रकार के दोष भी देखे जा सकते हैं परंतु इसके सहज व सदुपयोग से समाज को विभिन्न प्रकार के लाभ प्राप्त हो रहे हैं। इस शोध पत्र में हम यही अध्ययन करेंगे कि किस प्रकार तकनीकी ने समाज को विकसित बनाने में अपना अहम योगदान प्राप्त हो रहा है।

तकनीकी नए केवल मानव जीवन को ही प्रभावित कर रही है अपितु मानव जीवन को सक्षम वह आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने में भी अपना अहम योगदान दे रही है। जो राष्ट्र जितना अधिक सक्षम में तकनीकी रूप से अधिक निर्भर होगा वह वैश्विक स्तर पर उतना ही अधिक स्थाई होगा। भारतवर्ष भी एक विकासशील देश है जिसमें तकनीकी का प्रभाव भारतीय समाज पर विभिन्न स्तरों पर देखा जा सकता है जैसे कृषि के संयंत्रों पर, शैक्षिक रूप से तकनीकी, तकनीकी के व्यावसायिक दृष्टिकोण से, चिकित्सा में तकनीकी आदि विभिन्न आयामों पर तकनीकी के प्रभाव को समाज पर सीधा-सीधा देखा जा सकता है जो समाज के विकास में अपनी अहम भूमिका प्रदान कर रहे हैं।

Manuscript Info.

- ✓ **ISSN No:** 2584- 184X
- ✓ **Received:** 15-10-2025
- ✓ **Accepted:** 28-11-2025
- ✓ **Published:** 29-12-2025
- ✓ **MRR:3(12):**2025;35-38
- ✓ **©2025, All Rights Reserved.**
- ✓ **Peer Review Process:** Yes
- ✓ **Plagiarism Checked:** Yes

How To Cite this Article

प्रोफेसर डॉ संतोष कुमारी. समाज व माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों पर तकनीकी के उपयोग से होने वाले लाभ का अध्ययन. Indian J Mod Res Rev. 2025;3(12):35-38.

मुख्य शब्दावली - तकनीकी के उपयोग , समाज, समाज के विभिन्न आयाम, लाभ।

© 2025 प्रोफेसर डॉ संतोष कुमारी. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

प्रस्तावना -

तकनीकी ने संपूर्ण विश्व को आज अपनी चपेट में ले रखा है व तकनीकी ने संपूर्ण मानव जाति के उत्थान के लिए बहुत से महत्वपूर्ण कार्य किए हैं व लगातार बहुत से मैं महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहे हैं। आज तकनीकी है कि जिसके द्वारा हम एक स्थान पर बैठकर किसी भी स्थान की विषय में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं अथवा उसे विषय के बारे में संपूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं विभिन्न देशों की संस्कृति से बाकीफ हो सकते हैं अन्य देशों से सीधा संपर्क स्थापित कर सकते हैं। इसी प्रकार समाज में व्यक्ति रहकर एक दूसरे के उत्थान के लिए तकनीकी का प्रयोग कर रहे हैं जहां तकनीकी ने आपसे दूरी को बहुत कम कर दिया है उसी प्रकार तकनीकी ने समाज के विकास के लिए अहम् वह महत्वपूर्ण कार्य की है वह लगातार किए जा रहे हैं। इस बात से नकारा नहीं जा सकता कि आज समाज अधिकतर तकनीकी के उपयोग पर निर्भर करता है जहां पर अधिक पैदावार लेने के लिए तकनीकी का सहारा लिया जा रहा है चिकित्सा से सुविधाओं के लिए तकनीकी का प्रयोग किया जा रहा है वह व्यावसायिक रूप से भी तकनीकी को देखा जा रहा है। इसके साथ ही तकनीकी ने संचार माध्यमों को इतना सशक्त बना दिया है कि मनुष्य पल भर में व्यक्ति की वास्तविक स्थिति देख सकता है प्रस्तुत शोध पत्र में इसी तत्व पर शोध कार्य किया गया है कि किस प्रकार तकनीकी ने समाज को प्रभावित किया है वह समाज के लिए तकनीकी किस प्रकार से उपयोगी सिद्ध हो रही है।

अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व -

इस बात से नकारा नहीं जा सकता कि आज तकनीकी युग है व प्रत्येक मानव को तकनीकी की आवश्यकता अपनी दैनिक कार्यों की पूर्ति के लिए अति आवश्यक है यदि यह कहा जाए कि तकनीकी के अभाव में व्यक्ति का जीवन वर्तमान समय में संभव है तो गलत नहीं होगा तकनीकी के विभिन्न आयामों का समाज पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना अति आवश्यक है तकनीकी किस प्रकार से मानव जीवन में समाज को अपनी चपेट में ले चुकी है वह इसके लाभ किस प्रकार समाज प्राप्त कर रहा है इन सभी बातों का अध्ययन करना आज अति आवश्यक हो गया है। इसी के साथ-साथ तकनीकी का प्रयोग मानव जीवन के कल्याण के लिए कितना उपयोगी वह लाभप्रद है इस विषय पर शोध करना अध्ययन करना भी अति आवश्यक है प्रस्तुत शोध पत्र में इन्हीं विषयों पर अध्ययन किया गया है।

अध्ययन के उद्देश्य-

- समाज का अध्ययन करना।
- समाज पर तकनीकी के प्रभाव का अध्ययन करना।
- समाज को तकनीकी से होने वाले लाभों का अध्ययन करना।
- समाज के विभिन्न आयामों का अध्ययन करना।

शोध विधि व प्रक्रिया -

शोधार्थी द्वारा शि शिक्षण-अधिगम से सम्बन्धित विभिन्न आयोगों, शिक्षा नीतियों, रिपोर्टो का अध्ययन किया गया। साथ ही शिक्षण-अधिगम के विषय में विभिन्न विशेषज्ञों से विचार-विमर्श तथा सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन किया गया। शोधार्थी ने इस अध्ययन की आवश्यकता महसूस की कि क्या शिक्षण-अधिगम कों प्रभावित करने वाले कारक वातावरण से सम्बंधित है।

1 शिक्षण में अध्यापकों द्वारा आईसीटी के प्रयोग के लाभ-

1.1. आईसीटी के प्रयोग से शिक्षण उद्देश्य उद्देश्यों की अधिकतम प्राप्ति - आईसीटी के प्रयोग से एक शिक्षक अपना व्याख्यान तैयार करता है जिससे उसका व्याख्यान अधिक रोचक तथा समय को नष्ट किए बिना अधिक प्रभावित होता है जिसके द्वारा एक शिक्षक अपनी शैक्षिक उद्देश्यों को अधिक से अधिक प्राप्त कर सकता है।

1.2 शिक्षण को रुचिकर बनाने में आईसीटी का महत्व - इस बात में कोई दो रह नहीं है कि एक व्याख्यान में यदि आईसीटी तकनीकी का प्रयोग किया गया हो तो वह निश्चित रूप से छात्रों में शिक्षक के लिए अधिक रुचि पूर्ण होगा तथा उसकी सीखने के लिए अधिक समय भी नहीं लगेगा इसलिए आईसीटी का प्रयोग शिक्षक क्रियो को अधिक रुचिकर बनता है।

1.3 शिक्षक को नई-नई तकनीक के प्रयोग में सहायता करना - आईसीटी के प्रयोग से एक शिक्षक नई-नई तकनीकी के उपयोग से परिचित होता है तथा इसका प्रयोग शिक्षक क्रियो में किस प्रकार किया जा सकता है यह सिखाता है जिससे शिक्षक अपनी ज्ञान तथा अपनी शैक्षिक क्रियो को अधिक रोचक तथा छात्रों के अनुकूल बना सकता है।

1.4. शिक्षक तथा छात्रों के बीच की दूरी को बांटने का कार्य - शिक्षक तथा छात्रों के बीच की दूरी को पढ़ने का कार्य आईसीटी के माध्यम से भली भांति किया जा सकता है यदि हम बात करें शिक्षक तथा छात्रों के बीच की दूरी को पढ़ने का कार्य आईसीटी के माध्यम से भली भांति किया जा सकता है यदि हम बात करें कोरोना टाइम की तो करो ना के समय एक अध्यापक द्वारा आईसीटी की सहायता से ही अपना व्याख्यान वह एक छात्रा द्वारा आईसीटी के माध्यम से ही अपना व्याख्यान लिया गया है जिसने निश्चित ही अध्यापकों में छात्रों के बीच की दूरी को कम करने का कार्य किया है आते सेक्सी कार्यों तथा शैक्षिक दृष्टिकोण से आईसीटी एक अध्यापक के लिए अति महत्वपूर्ण हैं।

1.5. शिक्षण को सरल तथा रोचक बनाने में सहायक - आईसीटी तथा तकनीकी के प्रयोग से एक शिक्षक अपनी शैक्षिक उद्देश्यों की पूर्ति पर खरा उतर सकता है तथा छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर भी उसके व्याख्यान का सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा आते इस बात से नखना नहीं जा सकता की आईसीटी तथा तकनीकी का प्रयोग एक अध्यापक के लिए शैक्षिक की उपलब्धता प्रदान करता है।

2. विद्यार्थियों पर आईसीटी के प्रयोग का सकारात्मक प्रभाव -

2.1. तकनीकी के प्रयोग को सहज बनाना - विद्यार्थियों द्वारा आईसीटी के माध्यम से व्याख्यान लेना तथा अपने अधिगम के लिए इसके प्रयोग में विद्यार्थी निपुणता प्रदान कर लेते हैं जिससे उनकी शैक्षिक उपलब्धि बढ़ती है।

2.2 अधिगम प्राप्त करने की सरल युक्ति - आईसीटी के माध्यम से विद्यार्थी सरलता से ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं वह पूर्व में संपादित व्याख्यानों को भी इसकी सहायता से कहीं पर भी रहकर देख सकते हैं जिससे उनके सामने स्कूल की बाध्यता वह नियमित रूप से विद्यालय जाने की अनियमितता समाप्त हो जाती है अपने समय के अनुसार वह इससे अधिगम प्राप्त कर सकते हैं।

2.3. सीखने की कम खर्चीली पद्धति - आईसीटी के विभिन्न आयामों का प्रयोग करके विद्यार्थी अपने अधिगम स्तर को बढ़ा सकते हैं शिक्षा पर होने वाले एक बड़े वह को जिनके द्वारा काम किया जा सकता है विद्यार्थी केवल आईसीटी के प्रयोग के माध्यम से ही घर बैठे किसी भी

© 2025 प्रोफेसर डॉ संतोष कुमारी. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

विषय का ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं जो उनकी शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाता है।

2.4. वैश्विक ज्ञान प्राप्त करने में सहायक - आज हम आईसीटी के प्रयोग के माध्यम से विद्यार्थियों को संपूर्ण विश्व की जानकारी एक ही छत के नीचे दे सकते हैं निश्चित रूप से आईसीटी ने शिक्षा का वैश्वीकरण कर दिया है यह छात्रों तथा शिक्षकों को एक शैक्षिक पटल प्रदान करती है।

2.5. ज्ञान के स्थायित्व में सहायक - यह भी देखा गया है कि आईसीटी के प्रयोग से अर्जित किया गया ज्ञान विद्यार्थियों के मस्तिष्क में अधिक स्थाई हो जाता है जिससे उनकी स्मरण शक्ति तो बढ़ती ही है साथ ही साथ उनकी शैक्षिक उपलब्धि भी बढ़ती है।

3. शैक्षिक शासन तथा प्रशासन के लिए आईसीटी -

शैक्षिक शासन तथा प्रशासन के लिए आईसीटी अपना महत्वपूर्ण कार्य कर रही है इसके माध्यम से एक की उपस्थिति से लेकर अध्यापकों की उपस्थिति तथा अन्य प्रकार के अवलोकन को सहायता मिलती है।

3.1. शैक्षिक सूचना का शीघ्र प्रसारण - आईसीटी के माध्यम से शैक्षिक सूचनाओं का प्रसारण शीघ्रता से किया जा जिसके दिशा निर्देश अनुसार कार्य कर शैक्षिक उद्देश्यों की प्रताप की जा सकती है।

3.2. शिक्षक शिक्षार्थी तथा विद्यालय के अवलोकन में सहायक - आईसीटी निश्चित रूप से शिक्षक विद्यार्थी तथा विद्यालय के अवलोकन में अपना महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रही है जिसके माध्यम से विभिन्न प्रकार की दुर्घटनाओं वह कार्य की गुणवत्ता में सुधार हो रहा हैं।

3.3. शासन के लिए कम खर्चीली युक्ति - आईसीटी शासन तथा प्रशासन के लिए एक कम खर्चीली युक्ति है जैसे अवलोकन के लिए, निगरानी के लिए, परीक्षा संपादित कराने के लिए, उपरोक्त तथ्यों के आधार पर हम देख सकते हैं कि आईसीटी तीनों आयाम में अपना महत्वपूर्ण कार्य कर रही है इसके बिना आज मनुष्य के जीवन की कल्पना करना एक केवल सपना मात्र बनकर रह गया है।

निष्कर्ष

उपरोक्त तथ्यों का अध्ययन करने से हमें पता लगता है कि आज तकनीकी ने मानव जीवन के प्रति एक पहलू को प्रभावित किया है इसके प्रभाव से मानव जीवन का कोई भी हिस्सा प्रभावित हुए बगैर नहीं रहा है आज तकनीकी मानव जीवन का अहम हिस्सा बन चुकी है इसके बिना मानव जीवन की कल्पना करना वह वैश्विक दौड़ में खुद को बनाए रखना संभव नहीं है कोई राष्ट्र उतना ही विकसित होगा जितना इसकी तकनीकी विकसित होगी इसलिए अति आवश्यक है कि तकनीकी रूप से अपने आप को सक्षम व सुधार बनाया जाए ताकि अन्य देशों कि विकासशील दौड़ में खुद को बनाए रखा जा सके। उपरोक्त अध्ययन से हमें यह भी पता लगता है कि तकनीकी ने मानव जीवन की क्रियो को सरल बना दिया है वह इसके अधिक प्रयोग ने मानव को कुछ दोष भी दिए हैं अतः आवश्यक है कि इसका प्रयोग नियंत्रित पैमाने पर किया जा सके ताकि विभिन्न प्रकार के दोषों से सुरक्षित रह सके। शोध पत्र के माध्यम से हमें पता चलता है कि तकनीकी आज की एक जरूरी आवश्यकता है वह आने वाले समय में इसका प्रयोग और अधिक होगा परंतु मानव को इसका प्रयोग एक निश्चित सीमा तक ही कर कर अपने आप को सुरक्षित रखा जा सकता है। अर्थात तकनीकी का मानव जीवन पर वह समाज पर सीधा-सीधा प्रभाव देखने को मिलता है।

सुझाव

इस बात से नकारा नहीं जा सकता कि सभी देशों में तकनीकी रूप से अपने आप को समृद्ध बनाने की और लगी हुई है परंतु तकनीकी के प्रयोग से बहुत सारे दुष्प्रभाव भी सामने आए हैं जिस ने मानव जाति को एक विनाशकारी कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है आते अति आवश्यक है कि इसके प्रयोग के लिए उचित नियम व नीतियों का निर्धारण होना अति आवश्यक है ताकि राष्ट्र को तकनीकी के दुष्प्रभाव से बचाया जा सके वह मानव इसके हानिकारक प्रभाव से सुरक्षित रह सके। यह बात नकारात्मक नहीं हो सकती कि मानव जीवन को तकनीकी ने एक नई दिशा में दशा दी है। परंतु इसका प्रयोग एक निश्चित सीमा व नियमों के अंतर्गत होना अति आवश्यक है ताकि सभी के लिए तकनीकी सुरक्षित वह एक विकसित समाज में मानव के निर्माण में सहयोगी सिद्ध हो सके।

संदर्भग्रंथ सूची -

1. फ्लैग, निशांत. मीडिया के सामाजिक सरोकार. नई दिल्ली: राधा पब्लिकेशन्स; 2007.
2. मेहता, राम लखन. मीडिया विमर्श: आधुनिक संदर्भ. दिल्ली: कल्पना प्रकाशन; 2018.
3. जीवास्तव, जतिन; रॉय, एनाक्षी. सैद्धान्तिक परिदृश्य: भारतीय न्यू मीडिया परिवेश से जुड़े मुद्दे. In: नारायण, सुनेता सेन; नारायणन, शालिनी, editors. इंडिया कनेक्टेड: न्यू मीडिया के प्रभावों की समीक्षा. नई दिल्ली: सेज पब्लिकेशन्स; 2019.
4. मुखर्जी, राधाकमल. चिंतन परंपरा. नेशनल पीयर रिव्यूड जर्नल ऑफ सोशल साइंस. 2023 Jan–Jun; पीपी 156–157. बरेली (उ.प्र.): समाजविज्ञान विकास संस्थान.
5. Kaur K, Singh J. ICT diffusion and divide in India: implications for economic policies. Pacific Business Review International. 2016; 1:1–10.
6. Olatunji JF, Lofty A, Nnachi, Oyedemi J. ICT and child labour in Nigeria: patterns, implications and prevention strategies. Int J Sci Res (IJSR). 2016 May 5; Nigeria.
7. Kushwaha R. Menace of child labour: context, problems and remedies. In: Vishwas U, editor. Research Line Journal. 2022 May–2022 Jul; XXXXVI:8.
8. Internet Live Stats. Internet users by country—2014 [Internet]. 2014 [cited 2025 Dec 29]. Available from: Internetlivestats.com
9. दृष्टि IAS. मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न: डिजिटल विषय से संबंधित प्रश्न[Internet]. [cited 2025 Dec 29]. Available from: drishtiias.com
10. दृष्टि IAS. NSO रिपोर्ट: शिक्षा पर डिजिटल डिवाइड के प्रभाव [Internet]. [cited 2025 Dec 29]. Available from: drishtiias.com
11. सामान्य ज्ञान. डिजिटल इंडिया परियोजना की प्रमुख चुनौतियाँ [Internet]. [cited 2025 Dec 29]. Available from: samanyagyan.comशोध समागम

© 2025 प्रोफेसर डॉ संतोष कुमारी. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

[Internet]. [cited 2025 Dec 29]. Available from: shodhsamagam.com

12. Worldwide Journals [Internet]. [cited 2025 Dec 29]. Available from: worldwidejournals.com

Creative Commons (CC) License

This article is an open-access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution (CC BY 4.0) license. This license permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original author and source are credited.

About the author

प्रोफेसर डॉ. संतोष कुमारी समाजशास्त्र विभाग, जैन कन्या पी.जी. कॉलेज, मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश) में कार्यरत हैं। वे शिक्षण, शोध एवं सामाजिक अध्ययन के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उनका अकादमिक योगदान समाजशास्त्रीय विमर्श को सशक्त करता है।

© 2025 प्रोफेसर डॉ संतोष कुमारी. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/